Shri Shahnawaz Khan: A detailed survey regarding the bridge between Pandu and Amingaon was made and the work was actually started in 1943. The survey and other field investigations in respect of the alternate site Jogighopa-Golpara were carried out in 1946. Since then, no fresh surveys have been carried out. But, from the data available with us we have come to the conclusion that the site at Pandu is much the best site.

Shri Amjad Ali: Would the hon. Minister indicate the nature of the data that he has got further before giving up the Jogighopa-Golpara site?

Shri Shahnawaz Khan: For one thing, the bridge at Pandu would be of a length of 4200 ft. whereas the length of the bridge at Jogighopa-Golpara would be over 7,000 ft., very nearly double. Also, in order to construct a bridge at Jogighopa we would have to lay down an additional 110 miles of railway line which would be very expensive indeed.

Shri Amjad Ali: 110 miles of railway line from where to where?

Shri Shahnawaz Khan: From Bongaigaon-Jogighopa to Pandu.

Shri T. B. Vittal Rao: May I know whether this construction will be taken up by the North-Eastern Frontier Railway or whether a separate organisation will be set up as was done in the case of the Ganga bridge?

The Minister of Railways (Shri Jagjivan Ram): No decision on that point has been taken.

दिल्ली में गन्दी बस्तियों का सुधार

*१७६. श्री नवल प्रभाकर :
डा० राम सुभग सिंह :
श्री बी० चं० शर्मा :

क्या स्वास्थ्य मंत्री सभा पटल पर एक ऐसा विवरण रखने की कृपा करेंगे जिस में निम्न बातें बताई गई हों :

(क) दिल्ली टाउन प्लानिंग आर्गनाइजेशन द्वारा दिल्ली में गन्दी बस्तियों के सुधार के लिये कितनी निर्माण योजनायें तैयार की गई ;

(ख) उन बस्तियों की संख्या तथा उन के नाम क्या हैं ; और

(ग) क्या इन योजनाओं पर कार्य शुरू हो गया है ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री करमरकर) : (क) से (ग) एक विवरण सभा की मेज पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट १, अनुबंध सं० ७६].

श्री नवल प्रभाकर : जिन चार बस्तियों के ले-आउट अब तक तैयार किये गये हैं, दिल्ली इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट ने उन से कहीं ज्यादा ले-आउट तैयार कर लिये थे । मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या उन्हीं ले-आउट्स पर अपनी मुहर लगा कर दिल्ली टाउन प्लानिंग आर्गनाइज़ेशन ने अपने नाम से प्रस्तुत कर दिया है ।

श्री करमरकर : इन के अलावा और भी योजनायें तैयारी में हैं । मोतियाखान, सराय रोहीला, रणजीतनगर, शादीपुर, खामपुर और मुबारकपुर कोटला के लिये भी योजनायें तैयार की जा रही हैं ।

श्री नवल प्रभाकर : मैं ने यह प्रश्न किया था कि दिल्ली इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट ने इस से कहीं ज्यादा ले-आउट तैयार कर लिये थे, तो फिर इन दो सालों में दिल्ली टाउन प्लानिंग आर्गनाइज़ेशन ने क्या किया है । जो नाम माननीय मंत्री महोदय ने गिनाये हैं, वे भी इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट ने तैयार कर लिये थे ।

श्री करमरकर : इस बारे में ठीक तरह से गौर किया गया है और तैयारी कर ली गई है । जब इस काम के लिये पैसा मिलेगा, तो कार्यवाही शुरू की जायेगी ।

श्री नवल प्रभाकर : मैंने जो प्रश्न किया था, उसका उत्तर नहीं मिला ।

Mr. Speaker: All that the hon. Minister has mentioned may be treated as the reply.

Shri Rameshwar Tantia: May I know whether alternative accommodation will be provided to the residents before slum clearance is started?

Shri Karmarkar: This is about specific areas in which the hon. Member is interested. The scheme in respect of the particular locality is for about 200 tenements.

श्री नवल प्रभाकर : क्या मैं जान सकता हूं कि उन कटड़ों का जिन का सुधार किया गया है नम्बर क्या है और उन के क्या नाम हैं ?

श्री करमरकर : यह एक अलग से सवाल है और यदि माननीय सदस्य अलग से नोटिस दें तो इस का उत्तर भी दिया जा सकता है ।

श्री नवल प्रभाकर : ये कटड़े भी गन्दी बस्तियों में ही शामिल होते हैं ।

डा० राम सुभग सिंह : इन गन्दी बस्तियों को साफ करने के बारे में सरकार की ओर से कई एक मौकों पर ऐसा आश्वासन दिया गया है और खास तौर पर हमारे प्रधान मंत्री भी इन को एक दो बार देखने गये हैं कि इन का अन्त हो कर रहेगा । इस के साथ यह भी कहा गया कि सरकार इस के बारे में कोई सक्रिय कार्रवाई करेगी और ऐसा करने के लिये अच्छी फिजा का तैयार किया जाना आवश्यक है । मैं जानना चाहता हूं कि जब ऐसी बात है तो आज क्यों कहा जा रहा है कि जब पैसा मिलेगा तब कुछ किया जायगा ? जब आप के पास पैसा ही नहीं था तो आप ने देश में इस तरह का वातावरण क्यों तैयार किया था . . .

Mr. Speaker: That is an argument. After all, everything depends upon money.

Shri D. C. Sharma: In the statement, there is one sentence which says that the implementation of these layout schemes has not yet started. How long will it take for these schemes to be implemented?

Shri Karmarkar: I think that was an honest reply. Only a month back we got financial sanction and the work is being taken up immediately.

Shri B. K. Gaikwad: Are Government aware that there are several other slum localities not mentioned in the scheme?

Shri Karmarkar: There are lots of them in Delhi as my hon. friend knows.

Raja Mahendra Pratap: Cannot we take some servants' quarters from the Ministers' houses to provide for these poor people?

Shri Karmarkar: The servants' quarters of the Ministers' houses are already too full.

Bezwada-Masulipatam Line

***177. Shri T. B. Vittal Rao:** Will the Minister of **Railways** be pleased to refer to reply given to Starred Question No. 946 on the 17th August, 1957 and state:

(a) whether the survey report with regard to conversion of metre gauge line from Bezwada to Masulipatam and Gudivada to Bhimavaram on the Southern Railway into broad gauge has been received by the Railway Board;

(b) if not, when it is likely to be received; and

(c) the steps taken or proposed to be taken to accelerate the pace of work?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) and (b). An investigation and engineering survey for the Gudivada-Bhimavaram conversion into broad gauge has been sanctioned. The survey reports are expected to be received by the end of December 1957.